अंकन योजना
अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और सीमित प्रयोग हेतु)
सेकेंडरी स्कूल परीक्षा 2026
कक्षा- 10 वीं हिंदी (A), कोड- 002
प्रश्न पत्र कोड 3/1/2

सामान्य निर्देश:

1.आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी भूल भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा व्यवस्था और अध्ययन-अध्यापन व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ और समझ लें।

2. मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है। आयोजित परीक्षाओं की गोपनीयता, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं से संबंधित होने की वजह से मूल्यांकन की गोपनीयता अनिवार्य है। किसी भी प्रकार से इसके सार्वजनिक होने या 'लीक' होने पर परीक्षा व्यवस्था पर दुष्प्रभाव पड़ सकता है जिससे लाखों उम्मीदवारों का जीवन और भविष्य प्रभावित हो सकता है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना भारतीय दंड संहिता (IPC) के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।

3. मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंकन योजना का अनुपालन समग्रतापूर्वक और निष्ठापूर्वक किया जाए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित या अभिनव हैं (innovative), उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा दसवीं के प्रश्न पत्र में दिए गए दो दक्षता आधारित (competency based) प्रश्नों का मूल्यांकन करने में कृपया विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें। विद्यार्थियों द्वारा दिए गए उत्तर चाहे अंकन योजना में दिए गए उत्तर से मेल न खाते हों, तब भी यदि उन्होंने सही दक्षताओं को व्यक्त किया हो तो उन्हें उचित अंक दिए जाने चाहिए।

4. अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल बिंदु सुझाए जाते हैं। ये बिंदु प्रकृति में केवल दिशानिर्देशों की भाँति होते हैं और पूरे उत्तर का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। विद्यार्थी अपनी शैली में उत्तर दे सकते हैं और यदि उनकी अभिव्यक्ति सही है, तो उसके अनुसार उचित अंक दिए जाने चाहिए।

5. अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया गया है, यह सुनिश्चित करने के लिए मुख्य परीक्षक पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा जाँची गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें। यदि कोई अंतर है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद वह समाप्त /शून्य हो जाना चाहिए। परीक्षकों को मूल्यांकन के लिए शेष उत्तरपुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब मुख्य परीक्षक आश्वस्त हो कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में बहुत अधिक भिन्नता नहीं है।

6. मूल्यांकनकर्ता सही उत्तर पर सही का निशान (✓) लगाएँ। गलत उत्तर के लिए गलत का चिह्न (x) लगाएँ। मूल्यांकनकर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा लगता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए हैं। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।

7. यदि किसी प्रश्न के उपभाग भी हों, तो कृपया प्रश्नों के प्रत्येक उपभाग के उत्तर पर **दाईं** ओर अंक दिए जाएँ। बाद में, उस प्रश्न के सभी उपभागों के इन अंकों का योग बाईं ओर के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।

8. यदि किसी प्रश्न का कोई उपभाग न हो, तो **बाईं** ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

9. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी एक को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उन्हीं पर अंक दें और अन्य उत्तर को काटकर उस पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिख दें।

10. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो हर बार उसके अंक न काटें। एक जैसी त्रुटि के लिए अंक एक बार ही काटे जाएँ।

11. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0-80 (उदाहरण के लिए प्रश्न-पत्र में दिए अधिकतम अंकों के अनुसार 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का प्रयोग अनिवार्य रूप से किया जाए। परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे 80 अंक देने में संकोच न करें।

12. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता को पूर्ण कार्य अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की 20 उत्तर पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

13. नीचे कुछ सामान्य त्रुटियों की सूची दी गई है जिन्हें पिछले वर्षों में मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा किया जाता रहा है। यह सुनिश्चित करें कि आप इस प्रकार की त्रुटियाँ न करें–

- उत्तरपुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक दे देना
- उत्तर के लिए दिए गए अंकों का योग ठीक न होना
- उत्तरपुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि
- आवरण पृष्ठ पर दो कॉलम के अंकों का योग करने में अशुद्धि
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- प्राप्तांकों को संख्याओं और शब्दों में लिखने में अंतर होना
- उत्तरपुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना
- उत्तरों पर सही का चिह्न (✓) लगाना किंतु अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि (✓) या (x) का उपयुक्त चिह्न ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और बाकी गलत हो किंतु कोई अंक न दिए गए हों।

14. उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए, यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

15. उत्तरपुस्तिका पर किसी प्रश्न का बिना जाँच किए छूट जाना, मुख्य पृष्ठ पर अंतरण न होना या प्राप्तांकों के योग में किसी त्रुटि का पता लगना मूल्यांकन कार्य से जुड़े सभी लोगों की छवि को और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है। इसलिए, सभी की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।

16. सभी मूल्यांकनकर्ता वास्तविक मूल्यांकन कार्य प्रारंभ करने से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित अवश्य हो जाएँ।

17. प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया जा चुका है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

18. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देती है। सभी मूल्यांकनकर्ताओं /अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/ प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि वे सुनिश्चित करें कि प्रत्येक उत्तर का मूल्यांकन अंक योजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार ही किया जाए।

अंकन योजना मार्च, 2026
प्रश्न पत्र कोड: 3/1/2

विषय: हिंदी (पाठ्यक्रम 'अ') **विषय कोड 002** **कक्षा – दसवीं**

प्रश्न संख्या	**उत्तर-संकेत / मूल्य बिंदु**	**अंक**
	खंड 'क' (अपठित बोध)	**14**
1.	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(D) जीवन से प्रकृति और उसका साहचर्य गायब होना	1
(ii)	(C) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण कथन की उचित व्याख्या है।	1
(iii)	(D) I और II सही हैं।	1
(iv)	परीक्षार्थी प्रश्न के पहले हिस्से के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- भावी पीढ़ी अथवा बच्चे; प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त **स्वतंत्र** उत्तर स्वीकार्य, **जैसे**- • प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता • प्रकृति-संरक्षण की भावना जागृत करना • प्रकृति के विनाश और उसके खतरों से भावी पीढ़ी को सचेत करना • प्रकृति के दोहन से उत्पन्न समस्याओं से भावी पीढ़ी को अवगत कराना • बाज़ारीकरण के खतरों से परिचित कराना * प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * प्रश्न के केवल एक ही हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में काव्यांश पर आधारित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(v)	परीक्षार्थी काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त **स्वतंत्र** उत्तर लिखेंगे, **जैसे**-	2

	• पर्यावरण के प्रति जागरूकता संबंधी कार्यक्रमों द्वारा (जैसे नुक्कड़ नाटक) • विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों द्वारा (जैसे वृक्षारोपण) * कोई दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में काव्यांश पर आधारित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
2.	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	7
(i)	(A) I और II दोनों	1
(ii)	(D) प्रतिस्पर्धात्मक युग में इंद्रियों पर नियंत्रण कठिन है।	1
(iii)	(B) कथन सही है किंतु कारण गलत है।	1
(iv)	परीक्षार्थी गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर सीख और प्रभाव के **दो-दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- **<u>सीख</u>** : • होशियार बनो • अच्छे अंक लाओ • जीतकर दिखाओ **<u>प्रभाव</u>** : • सबसे बेहतर बने रहने की इच्छा • प्रतिद्वंद्विता • सबसे आगे निकलने की आदत • शरीर और मन की थकान • दूसरों से प्रभावित होकर निर्णय लेना * प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए दो-दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (½+½+½+½ =2 अंक) ---------- * प्रश्न के एक हिस्से के लिए दो और दूसरे के लिए कोई एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1.5 अंक)	2

	---------- * प्रश्न के किसी एक हिस्से के लिए दो बिंदु **अथवा** दोनों हिस्सों के लिए एक-एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1 अंक) ---------- * प्रश्न के किसी एक हिस्से के लिए एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(v)	गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्न के पहले हिस्से के लिए परीक्षार्थी **एक** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- • आत्म-साक्षात्कार के माध्यम से • अपनी क्षमता और योग्यता पर विश्वास रखकर • तुलना और प्रतियोगिता से मुक्त रहकर (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए उपयुक्त **स्वतंत्र** उत्तर स्वीकार्य, **जैसे**- • सोशल मीडिया की चकाचौंध से दूर रहकर * प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * प्रश्न के केवल एक ही हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1अंक) ---------- * प्रश्न के संदर्भ में गद्यांश पर आधारित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
	खंड 'ख' (व्यावहारिक व्याकरण)	**16**
3.	'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	मूर्ति की आँखों पर छोटा-सा चश्मा रखा था और वह सरकंडे का बना था।/ मूर्ति की आँखों पर सरकंडे का बना चश्मा रखा था और वह छोटा-सा था।	1
(ii)	वे बालगोबिन भगत हैं, जो मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी हैं।/ वे जो मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी हैं, बालगोबिन भगत हैं।/ जो बालगोबिन भगत हैं, वे मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी हैं।	1

(iii)	नवाब साहब ने होंठ पोंछकर गर्व से हमारी ओर देखा।	1
(iv)	सरल वाक्य	1
(v)	जो सबसे अधिक छायादार वृक्ष समान था; विशेषण आश्रित उपवाक्य	½+½=1
4.	'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित	4
(i)	कर्मवाच्य	1
(ii)	कर्तृवाच्य	1
(iii)	मन्नू भंडारी द्वारा/ के द्वारा देश की आज़ादी के आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई गई।	1
(iv)	उन्होंने स्वदेशी चिंतन को व्यापक बनाया।	1
(v)	राजेश से बहुत तेज़ दौड़ा गया।	1
5.	'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के लिए **सही व्याकरणिक कोटि** के साथ कोई **एक अन्य बिंदु** अपेक्षित :	4
(i)	**स्वाधीनता**- संज्ञा, भाववाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, संबंध कारक	½+½=1
(ii)	**और**- अव्यय, समुच्चयबोधक, समानाधिकरण	½+½=1
(iii)	**छी:!** - अव्यय, विस्मयादिबोधक, घृणासूचक	½+½=1
(iv)	**कुछ**- विशेषण, अनिश्चित संख्यावाचक, 'लोग' विशेष्य, पुल्लिंग, बहुवचन	½+½=1
(v)	**अपने-आप**- सर्वनाम, निजवाचक, पुल्लिंग, बहुवचन	½+½=1
6.	'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	4
(i)	उत्प्रेक्षा अलंकार	1
(ii)	उपमा अलंकार	1

(iii)	मानवीकरण अलंकार	1
(iv)	'अतिशयोक्ति अलंकार' का एक उपयुक्त उदाहरण अपेक्षित; **जैसे**- एक साथ रघु ने पैरों से चाँपा अविकल। पितृ-दत्त सिंहासन और सकल अरिमंडल।	1
(v)	'रूपक अलंकार' का एक उपयुक्त उदाहरण अपेक्षित; **जैसे**- शशि मुख पर घूँघट डाले, आँचल में दीप छिपाए	1
	खंड 'ग' (पाठ्य-पुस्तक और पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)	**30**
7.	पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(B) उद्धव का मन प्रेम से अछूता रहा।	1
(ii)	(A) केवल III सही है।	1
(iii)	(D) I और IV सही हैं।	1
(iv)	(D) कारण और कथन दोनों सही हैं परंतु कारण कथन की उचित व्याख्या नहीं है।	1
(v)	(A) प्रेम-भाव से भरी नदी के समान	1
8.	निर्धारित कविताओं के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6
(i)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर सभा के दृश्य से संबंधित कोई **दो** उपयुक्त बिंदु लिखेंगे- • धनुष-भंग के पश्चात् उल्लासमय वातावरण में भय का संचार • क्रोधित परशुराम को देख उपस्थित राजाओं में भय • राम के द्वारा संयम और विनम्रता से समझाने का प्रयास • परशुराम की दंभपूर्ण चेतावनी और तीव्र होता क्रोध • लक्ष्मण की निर्भीक व्यंग्यपूर्ण वाचालता • सभी का अनिष्ट की आशंका से भर उठना (अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1=2 अंक) ----------	2

	* केवल एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा कविता के आधार पर प्रश्न के संदर्भ में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ii)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर **दो** उपयुक्त तर्क लिखेंगे- • मुख्य गायक का साथ देना/ सहयोग करना संगतकार का कर्त्तव्य • पेशेवर प्रतिबद्धता • विशिष्ट उद्देश्यों को ध्यान में रखकर ही उसने संगतकार की भूमिका स्वीकार की है • साथ देकर वह कोई विशिष्ट कार्य नहीं कर रहा (अन्य उपयुक्त तर्क भी स्वीकार्य) * दो उपयुक्त तर्क लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त तर्क लिखने पर (1 अंक) ---------- * कविता से संगतकार के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iii)	परीक्षार्थी कविता के आधार पर **किसे** और **क्यों** के लिए उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **किसे** : स्वयं कवि को/ पिता को; **क्यों** : कठोर, नीरस, रूखे जीवन के कारण * दोनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * एक हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iv)	परीक्षार्थी कविता का **केंद्रीय भाव** और **एक** उपयुक्त कारण लिखेंगे- **केंद्रीय भाव** : परिवर्तन/ नवनिर्माण का आह्वान; **कारण** : • बादल विध्वंस, विप्लव और क्रांति-चेतना का प्रतीक	2

	• बादलों द्वारा नवनिर्माण का आधार तैयार करना • बादलों से तपती धरा को जैसे राहत मिलती है वैसे शोषित-पीड़ित जनता की आकांक्षा पूर्ति की कल्पना/चाह * केंद्रीय भाव स्पष्ट करने **और** एक कारण लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल केंद्रीय भाव स्पष्ट करने **अथवा** केवल कारण लिखने पर अथवा कविता से भावार्थ संबंधी कुछ वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
9.	पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	5
(i)	(C) कथन II और IV सही हैं।	1
(ii)	(B) स्नेह का	1
(iii)	(A) कथन सही है परंतु कारण गलत है।	1
(iv)	(A) I, II और III तीनों	1
(v)	(A) ईश्वर उनके वादन में सुरीलापन सदैव बनाए रखे।	1
10.	निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर चार प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	6
(i)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर कोई **एक** उपयुक्त कारण और उसके लिए **सुसंगत** तर्क लिखेंगे- **<u>कारण :</u>** • देशभक्तों/शहीदों के सम्मान की भावना • आज भी लोगों के हृदय में देशभक्ति का भाव विद्यमान • अपने इतिहास का सम्मान और परिवेश के प्रति जागरूकता • नागरिकों का कर्त्तव्य-बोध (अन्य उपयुक्त कारण भी स्वीकार्य) **<u>तर्क :</u>**	2

	• मूर्ति पर चश्मा न होने की बात किसी को अखरना और उसके द्वारा यथाशक्ति प्रयास किया जाना • नेताजी के व्यक्तित्व से परिचित होना और मूर्ति पर चश्मे की कमी को लक्षित करना • उदासीनता और उपहास के भाव के स्थान पर देश के प्रति जागरूकता और सक्रियता का भाव * उपयुक्त कारण और तर्क दोनों लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * एक कारण **अथवा** एक उपयुक्त तर्क लिखने पर (1 अंक) ---------- * पाठ से इस घटना से संबंधित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर प्रश्न के **दोनों** हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **कैसे :** सुस्त और बोदा; **बर्ताव** : अधिक प्रेम/ मुहब्बत/ स्नेह/ देखभाल/ परवाह/ निगरानी का * प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल पहले **अथवा** दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर अथवा * प्रश्न के संदर्भ में पाठ से थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
(iii)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • लेखक से बार-बार खीरा खाने का आग्रह करना, लेखक द्वारा इनकार कर देने पर खाने की तीव्र इच्छा होते हुए भी खीरे की फाँकों को सूँघकर फेंक देना • संगति के लिए उत्साह न दिखाना • लेखक को अनदेखा करना • एकांत-चिंतन में विघ्न का असंतोष	2

	* दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * केवल एक उपयुक्त बिंदु में उत्तर लिखने पर (1 अंक) ---------- * पाठ से इस घटना से संबंधित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iv)	परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **दो** बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- • आज़ादी के लिए सजगता – देश की हो या व्यक्तिगत • देश और समाज के प्रति जागरूकता • शक्की/संदेही स्वभाव • यश, सम्मान प्राप्त करने के बाद भी हीन-भावना से ग्रस्त होना • लेखकीय उपलब्धियों के बाद भी संकोच • सहज विश्वास न कर पाना • अध्ययनशीलता और लेखन की प्रवृत्ति • विशिष्ट बन जाना * दो बिंदुओं में उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1=2 अंक) ---------- * एक उपयुक्त बिंदु में उत्तर लिखने पर अथवा पाठ से लेखिका और उनके पिता दोनों के व्यक्तित्व से संबंधित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * पाठ से लेखिका **अथवा** उनके पिता के व्यक्तित्व से संबंधित थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (0.5 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	2
11.	पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित :	8
(i)	परीक्षार्थी प्रश्न के पहले हिस्से के लिए **दो** उपयुक्त बिंदुओं में **भोलानाथ और उसके पिता के संबंध पर प्रकाश** डालेंगे-	4

- स्नेह/ममता/वात्सल्य का गहरा संबंध (भोलानाथ की दिनचर्या में पिता का साथ बने रहना, जैसे उसे अपने साथ सुलाना, नहलाना, खाना खिलाना, घुमाना आदि)
- आत्मीय और भावनात्मक जुड़ाव (भोलानाथ के डरने पर व्याकुल हो जाना, उसके पास दौड़कर जाना और उसकी सुरक्षा करना)
- मित्रतापूर्ण (भोलानाथ के साथ खेलना, जैसे कुश्ती आदि)
- सहज/ स्वाभाविक/ धैर्यपूर्ण (खेलों में हार जाने का नाटक करके भोलानाथ को प्रसन्न करना)
- नैतिक, आध्यात्मिक, शारीरिक और मानसिक विकास का ध्यान रखना (दैनिक पूजा आदि में साथ रखना)
- पर्याप्त समय और ध्यान देना (भोलानाथ और उसके साथियों के खेलने के समय उपस्थित रहना)
- आत्मीय/ सहयोगात्मक (अपनी दिनचर्या में भोलानाथ को सम्मिलित करना, जैसे मछलियों को चारा खिलाना)

परीक्षार्थी प्रश्न के दूसरे हिस्से के लिए **पिता की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए दो** उपयुक्त बिंदुओं में **स्वतंत्र** उत्तर लिखेंगे-

- बच्चों के खेलों/ पढ़ाई/ कार्यकलापों से जुड़ना
- बच्चों के दैनिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाना
- स्नेह/ वात्सल्य/ ममतापूर्ण व्यवहार करना
- मित्रवत /सहयोगी/ धैर्यवान मार्गदर्शक बनना
- कार्यों/ विचारों की स्वतंत्रता देना
- पर्याप्त समय और ध्यान देना
- भय/ दबाव / तनाव रहित व्यवहार रखना

(अन्य उपयुक्त बिंदु भी स्वीकार्य)

* प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए दो-दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (1+1+1+1=4 अंक)

---

* प्रश्न के किसी एक हिस्से के लिए दो उपयुक्त बिंदु लिखने और दूसरे हिस्से के लिए एक बिंदु लिखने पर (3 अंक)

---

* प्रश्न के दोनों हिस्सों के लिए एक-एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर

अथवा

	प्रश्न के किसी भी एक हिस्से के लिए दो उपयुक्त बिंदु लिखने पर (2 अंक) ---------- * प्रश्न के किसी भी एक हिस्से के लिए एक उपयुक्त बिंदु लिखने पर अथवा * पिता से संबंध **अथवा** पिता की भूमिका पर थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(ii)	प्रश्न के पहले दोनों हिस्सों के लिए परीक्षार्थी पाठ के आधार पर **एक-एक** बिंदु में उपयुक्त उत्तर लिखेंगे- **कैसा लगा** : • यूमथांग फीका लगा/कम प्रभावी लगा • मंज़िल से अधिक रास्ता सुंदर लगा • प्राकृतिक घाटियों का सौंदर्य आकर्षक लगा **क्यों** : • कटाओ की बर्फ़ से ढकी चोटियों के बाद यूमथांग में कम रौनक • मंजिल से अधिक मंजिल तक पहुँचने का सफर रोमांचक • यूमथांग के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद • सैलानियों के बढ़ने से प्रकृति की हानि होते देखकर चिंता परीक्षार्थी प्रश्न के तीसरे हिस्से के लिए **स्वतंत्र** और उपयुक्त उत्तर लिखेंगे, **जैसे** - • एक प्रसिद्ध स्थान जहाँ जाने के लिए दो दिन से यात्रा कर रहे हैं, वहाँ पहुँचकर अच्छा लगता • तुलना नहीं करते, वहाँ की अलग सुंदरता को देखते • बढ़ती सुविधाओं और पर्यटकों की बढ़ती संख्या के दुष्प्रभाव और समाधान सोचते * प्रश्न के तीनों हिस्सों का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (1+1+2=4 अंक) ---------- * पहले **अथवा** दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और तीसरे हिस्से का विस्तृत उत्तर लिखने पर अथवा पहले और दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और तीसरे हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर (3 अंक) ---------- * पहले और दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने और तीसरे हिस्से का उत्तर न लिखने पर अथवा	4

	* पहले और दूसरे हिस्से का उत्तर न लिखने और केवल तीसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर लिखने पर (2 अंक) ---------- * पहले **अथवा** दूसरे हिस्से का उपयुक्त उत्तर और तीसरे हिस्से का उत्तर नहीं लिखने पर अथवा केवल तीसरे हिस्से का संक्षिप्त उत्तर लिखने पर अथवा **युमथांग** के संबंध में या पाठ के आधार पर थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- *असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
(iii)	परीक्षार्थी कथन के पक्ष या विपक्ष में **दो** उपयुक्त बिंदुओं में उदाहरण सहित **स्वतंत्र** तर्कपूर्ण टिप्पणी लिखेंगे, **जैसे**- **पक्ष :** • किसी एक रचना को पढ़/सुन/देखकर भी लोग अन्य रचनाएँ करते हैं; जैसे महर्षि वाल्मीकि की कृति 'रामायण' की मूल कथा पर आधारित अनेक रचनाएँ बाद में भी की गईं। • किसी कृति को पढ़ और कलाकृति को देखकर समान या स्तरीय रचना की आकांक्षा होना संभव है। • किसी रचना में वर्णित अनुभव, विचार, संघर्ष आदि अन्य लेखकों को भी गहराई से प्रभावित करते हैं। उनसे लेखकों के मन में विचार प्रेरणा, संवेदना, व्याकुलता या आंतरिक विवशता उत्पन्न हो सकती है। **विपक्ष :** • कई बार दूसरों की कृतियाँ नहीं पढ़ने वाला लेखक भी अच्छी रचनाएँ कर सकता है जबकि एक गहन पाठक सिर्फ पाठक बनकर रह जाता है, रचना नहीं कर पाता। • रचनाकार अपने भीतर की व्याकुलता या विवशता से प्रेरित होकर रचना कर पाता है। • अज्ञेय जी का भी मानना है कि अन्य रचनाएँ बाह्य प्रेरणा के रूप में कार्य कर सकती हैं, परंतु आंतरिक विवशता का साधन नहीं बनतीं। • रचनाकार को रचना करने के लिए आवश्यक भीतरी व्याकुलता अनुभूति से आती है। * प्रश्न के पक्ष या विपक्ष को तर्क और उदाहरण सहित दो उपयुक्त बिंदुओं में विस्तार से लिखने पर (2+2=4 अंक) ---------- * किसी एक बिंदु का विस्तार करने और एक का मात्र उल्लेख करने पर (3 अंक) ---------- * दोनों बिंदुओं के लिए केवल तर्क **अथवा** उदाहरण लिखने किंतु विस्तार न करने पर	4

	अथवा पाठ के संदर्भ में रचना प्रक्रिया संबंधी वर्णन करने पर (2 अंक) ---------- * किसी रचना या कलात्मक कृति के विषय में थोड़े-बहुत वाक्य लिखने पर (1 अंक) ---------- * असंगत या निरर्थक उत्तर लिखने पर (0 अंक)	
	खंड 'घ' (रचनात्मक लेखन)	**20**
12. (i)

	(संबोधन, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने आदि के आधार पर अंक न काटे जाएँ।) • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है।	
13. (i) अथवा (ii)	किसी **एक** विषय पर लगभग 80 शब्दों में ई-मेल **अथवा** स्ववृत्त लेखन अपेक्षित : **ई-मेल लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाएँ। • यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। **स्ववृत्त-लेखन :** • प्रारूप = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • व्यक्तिगत जानकारी, शैक्षणिक योग्यताएँ आदि को शामिल कर यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ।प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर • शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ।	5

14. (i) अथवा (ii)	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में पत्र लेखन अपेक्षित : **पत्र-लेखन :** • प्रारूप (आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ) = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • भाषा-शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • उपयुक्त प्रारूप होने पर ही अंक दिए जाएँ। • प्रारूप और आरंभ-अंत की औपचारिकताओं में किसी तरह का रूढ़ बंधन तय नहीं किया जाए। (पता, दिनांक आदि के दाएँ/बाएँ होने, सेवा में आदि के आधार पर अंक न काटे जाएँ।) • यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और उपयुक्त भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है।	5
15.	किसी **एक** विषय पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लेखन अपेक्षित : **अनुच्छेद-लेखन** • भूमिका = 1 अंक • विषयवस्तु = 3 अंक • निष्कर्ष = 1 अंक • भाषा शुद्धता = 1 अंक **विशेष निर्देश :** • दिए गए संकेत बिंदुओं को शामिल करते हुए यथोचित विषय-वस्तु, स्तरीय और रचनात्मक भाषा प्रयोग पर पूरे अंक दिए जाएँ। • सामान्य अशुद्धियों पर अंक न काटे जाएँ। • प्रस्तुतीकरण प्रभावी और उपयुक्त होने पर शब्द-सीमा के उल्लंघन पर अंक न काटे जाएँ। • भाषा में बहुत अधिक अशुद्धियाँ होने पर ही अधिकतम एक अंक काटा जा सकता है।	6